पुराने शौक नए साथी- 3

“बेस्ट फ्रेंड सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि जब लम्बे अरसे के बाद दो दोस्त मिले तो उन्होंने पुरानी यादें ताजा करने के लिए एक दूसरे की गांड मारी. उसके बाद क्या किया उन्होंने ? ...”

Story By: सनी वर्मा (sunnyverma)
Posted: Wednesday, November 24th, 2021
Categories: गे सेक्स स्टोरी
Online version: पुराने शौक नए साथी- 3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पुराने शौक नए साथी- 3

बेस्ट फ्रेंड सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि जब लम्बे अरसे के बाद दो दोस्त मिले तो उन्होंने पुरानी यादें ताजा करने के लिए एक दूसरे की गांड मारी. उसके बाद क्या किया उन्होंने ?

कहानी के पिछले भाग
अपने पति से सहेली की चूत चुदवा दी
में आपने पढ़ा कि

> राजीव और तुषार की दोस्ती पक्की थी, दोनों आज भी रोज ही विडियो चैट करते।
> पर शीना की कभी बात राजीव से नहीं हुई थी।
>
> राजीव का जॉब बहुत अच्छा था, खूब पैसा बना रहा था वो!
> कई बार उसने तुषार को और शीना को अपने पास जर्मनी बुलाया पर बस ये लोग जा ही नहीं पाये।

अब आगे बेस्ट फ्रेंड सेक्स स्टोरी :

एक दिन तुषार ने शीना को बताया कि राजीव को उसकी कंपनी ने दिल्ली ऑफिस का हेड बनाकर भेजा है और राजीव अगले हफ्ते दिल्ली ही आ जाएगा।

तुषार ने शीना से कहा कि राजीव और उसकी दोस्ती को वो गलत नहीं समझे पर जैसे शीना और पारुल के बीच तय था कि उनके बीच उनके पति नहीं आएंगे तो ऐसे ही राजीव

और तुषार की भी यही अण्डरस्टैंडिंग थी कि उन लोगों की शादी के बाद उनकी बीवियाँ उनके बीच में नहीं आएगी।

शीना ने पूछा- क्या मतलब ?
तो तुषार ने कहा- तुम हमारे साथ ही एंजॉय कर सकती हो. पर हमारे किसी भी मज़ाक या हरकत को गलत नहीं लोगी। हो सकता है राजीव मुझसे ये कहे की आज रात को वो दोनों नंगे सोएँगे या नहायेंगे तो तुम्हें बुरा नहीं लगे, इसलिए पहले ही बता रहा हूँ।

शीना ने सोचा कि जो होगा देखा जाएगा, आखिर है तो उसके आदमी का दोस्त तो पूरा हरामी तो होगा सेक्स के मामले में।

तो शीना ने तुषार से पूछा कि कहीं राजीव उसके साथ कुछ गलत तो नहीं करेगा तो तुषार ने हँसते हुए कहा कि वो बहुत डीसेंट आदमी है और आज की तारीख में अपनी कंपनी में वाइस प्रेसिडेंट है, कोई आवारा नहीं। पर हाँ जब बात दोनों की मस्ती की आती है तो वो पुराना जोड़ीदार ही हो जाएगा। शीना चाहे तो वो ऐसे में उनसे दूरी बना ले, तुषार को कोई एतराज नहीं।

शीना बोली- क्यों दूर रहूँगी, मैं भी मजे लूँगी तुम दोनों के साथ।
तुषार हँसते हुए बोला- उसे गांड मारने का बहुत शौक है. और तुम्हारी गांड तो मटकती भी खूब है, कहीं ऐसा न हो कि वो तुम्हारी गांड मार ले।

शीना ने भी जवाब दिया- क्यों तुम्हें बुरा लगेगा क्या ?
तुषार बोला- क्यों लगेगा बुरा, मेरे और राजीव में कुछ भी बटा हुआ नहीं है।

शीना ने पूछा- राजीव ने शादी क्यों नहीं की ?
तो तुषार बोला- उसके माँ बाप इस एक साल में उसकी शादी करा ही देंगे। राजीव को कोई

बहुत पढ़ी लिखी सुंदर और स्मार्ट इंडियन लड़की चाहिए।

शीना बोली- सुनो, अगर पारुल की शादी राजीव से करा दें तो ?
तुषार बोला- यार बात तो बहुत अच्छी है, दोनों का मैच बहुत बढ़िया रहेगा। चलो देखते हैं।

अगले एक हफ्ते में शीना ने घर को नए सिरे से चमकवाया और अपना तो एक-एक अंग ब्यूटी पार्लर जाकर चमकवाया। वेक्सिंग, फेशियल, पैडिक्युर, मेनिकयोर मेहँदी सब कुछ उसने करवाया।

तुषार की दिली इच्छा थी कि राजीव उसे देखते ही तुषार की पसंद की तारीफ करे।
और शीना नहीं चाहती थी कि उसके पति का रुतबा अपने यार के सामने कम पड़े।

उसका शरीर इतना चिकना और ग्लौइंग हो गया कि खुद तुषार ने उसके टेस्ट की तारीफ करी।

आखिर राजीव आ ही गया।
तुषार उसको लेने एयरपोर्ट गया।

उसकी और राजीव की ये बात तय थी कि राजीव तीन दिन उसके साथ रहेगा फिर कंपनी के होटल में जाएगा।

तुषार और राजीव गले मिल के ऐसे लगे कि मानो बरसों से बिछड़े हों।
राजीव ने उसे कस कर चूमा और कहा- अबे तेरी बीवी के गालों की चिकनाई से तेरे गाल अभी तक भी पहले जैसे ही चिकने हैं।

और राजीव को लेकर तुषार घर पहुंचा।

शीना ने दरवाजा खोला।

राजीव मुस्कुराता हुआ सामने खड़ा था, उसने बहुत गर्मजोशी से शीना को हग किया और चुम्मी दी।
शीना ने महसूस किया कि जनाब ने उसके मम्मे दबाने में पूरी ताकत लगाई थी।

राजीव इतना हंसमुख और बेतकल्लुफ़ था कि उसने शीना को चिपटा ही लिया था अपने से!
शीना ने भी उसे किस करने में पूरी शोख़ी दिखाई थी।

अगले एक घंटे में ही राजीव के ठहाकों और गुदगुदी बातों से शीना उन दोनों का एक हिस्सा बन गयी।

राजीव चौंक गया जब उसने अपनी जेब से सिगरेट का पैकेट निकाला तो शीना ने उसमें से सिगरेट निकाल कर सुलगा कर छल्ले राजीव के चेहरे पर मारते हुए सिगरेट दी।

तब राजीव ने बड़ा भोला सा मुंह बनाकर तुषार से पूछा- अबे घोंचू, तुझे ये मिली कहाँ?
चल अब मैं इसे अपने साथ ले जाता हूँ, तू दूसरी ढूंढ लेना।
तीनों हंस पड़े।

राजीव थका था, उसे जेटलेग भी हो रहा था तो उसने कहा कि वो तो कॉफी पीकर सोएगा।
तो तुषार राजीव को घर छोड़कर ऑफिस चला गया कि जल्दी वापिस आ जाऊंगा।

घर पर राजीव बहुत बेतककुल्फी से रहा और कॉफी पीकर सो गया।

शीना को भी अच्छा लग रहा था तो उसने भी नहाकर रोज की तरह ही शॉर्ट्स और टी शर्ट डाल ली।

एक बार दोपहर को शीना राजीव के कमरे में झाँकने गयी तो रूम की किवाड़ भिड़ी हुई थीं. शीना ने हल्के से किवाड़ खोल कर अंदर झाँका तो कमरे में अंधेरा था और राजीव सो रहा था।

कॉफी का कप उठाकर शीना बाहर जाने को हुई तो उसकी निगाह राजीव की ओढ़ी चादर पर गयी जो एक ओर से खिसक गयी थी.
राजीव नंगा सो रहा था।

शीना मुस्कुरा गयी। वो चुपचाप बाहर आ गयी।

बाहर अब उसे खुजली होने लगी कि एक बार राजीव का लंड देखा जाये !
पर उसे डर भी था कि अगर वो जग गया तो क्या सोचेगा।

आखिर हिम्मत करके शीना दोबारा कमरे में गयी और बेपरवाही से अंदर घुस गयी।

अंदर का नजारा तो बेहद मजेदार हो गया था।
राजीव सीधा लेटा पड़ा था, उसकी चादर पूरी हटी हुई थी और उसका लंड पूरा तना हुआ था।
शीना की हालत खराब हो गयी.

वो दबे पाँव वापिस आ गयी और किचन में आकर हँसते हुए उसने सारी कहानी पारुल को फोन पर सुनाई।
पारुल भी खूब हंसी, उसने कहा कि एक फोटो खींच ले उसकी और फिर उसे ही भेज देना।

शीना बोली- नहीं यार, ये तुषार का दोस्त है, आज पहली बार मिली हूँ, इतने बेशरमी नहीं।

खैर, शीना भी दोपहर को सो ली।

शाम को चार बजे करीब तुषार का फोन आया, उसने बताया कि राजीव उठ गया है, वो तुम्हारे बेड रूम में झांक कर वापिस सोने चला गया।

तुषार आने वाला था थोड़ी देर में !

शीना उठी, फ्रेश होकर राजीव के रूम में गयी तो राजीव उठ गया था, सिगरेट पी रहा था।

तो शीना ने उससे हेलो करके खाने के लिए टेबल पर आने को कहा।

राजीव ने केवल शॉर्ट्स पहने थे।
उसने शीना से प्रश्नभरी निगाहों से पूछा कि क्या मैं कपड़े बदलूँ या ये ही चल जाएगा।
शीना ये कहकर हँसते हुए बाहर आ गयी कि तुम्हारी मर्जी, तुम चाहो तो ये भी न पहनो, सुबह से ही कौन सा पहने हुए थे।

राजीव चीख कर बोला- ओह माइ गॉड ! क्या तुम रूम में आई थीं ? वेरी बैड !
शीना बोली- मैं नहीं आई थी तुम नींद में बाहर आए थे।
दोनों हंस पड़े।

शीना बोली- बट यू हेव ए नाइस वन।
राजीव ने उसे पीछे से चिपटाते हुए कहा- थैंक्स यू शीना, बट प्लीज़ डोंट टेल तुषार अबाउट दिस।
शीना हँसते हुए बोली- ओके डार्लिंग।

तभी तुषार आ गया।
वो राजीव के पसंद के समोसे और बीयर लाया था।

शीना बोली- बीयर रात को पी लेना. अभी भूख लगी है, मैंने भी कुछ नहीं खाया और

राजीव भी भूखा होगा, चलो पकोड़े बनाए हैं मैंने चाय के साथ वो खाते हैं।

तुषार राजीव को लेकर रूम में चला गया।
बाहर तक दोनों की हंसी की आवाज आती रही।

शीना के बुलाने पर दोनों बाहर आए।
राजीव की तरह तुषार भी केवल शॉर्ट्स ही पहने था।

शीना बोली- कुछ तो ढंग से पहन लो।
तुषार बड़ी बेशर्मी से बोला- तुम चाहो तो तुम भी टी शर्ट उतार दो और हमारी तरह सिर्फ शॉर्ट्स ही पहनो।
शीना ने उसे आंखे दिखाईं।

शाम को सभी घूमने निकले और बाहर डिनर करके देर रात तक घर लौटे।

राजीव के साथ शीना की सिगरेट भी बेहिसाब हो रही थी आज।
उसने महसूस किया कि जैसी बेतककुलफ़ी उसके और पारुल के बीच में है वैसी ही तुषार और राजीव में भी है। दोनों के बीच कोई नहीं आ सकता और दोनों एक दूसरे पर जान देते हैं।

घर आकर राजीव और तुषार कपड़े बदलकर वापिस शॉर्ट्स में ही व्हिस्की लेकर बाहर सोफ़े पर बैठ गए।
तुषार ने शीना से कहा कि उसका मन हो तो वो भी आ जाये वरना वो जब चाहे सो जाये, आज मैं तो राजीव के साथ ही सोऊंगा।

शीना भी उन्हीं के साथ बीयर लेकर बैठ गयी।

राजीव और तुषार अपने में मस्त थे, पता नहीं कहाँ कहाँ की बातें, कैसे कैसे गंदे गंदे मज़ाक।
उन्हें कोई फर्क ही नहीं था कि शीना भी बैठी है।
शीना ही बस उनकी बातों पर हंस देती या कोई कमेंट कर देती।

राजीव ने कई बार तुषार को उसके सामने ही चूम लिया था।
शीना समझ गयी कि आज रात ये एक दूसरे की गांड जरूर मारेंगे।

उसकी आँखों में राजीव का तना हुआ लंड आ गया।
वो सिहर गयी कि आज तुषार की गांड तो फट ही जाएगी।

रात को एक बजे वो तो उठकर सोने जाने लगी तो राजीव ने उसे अपने पास बुलाकर उसे होंठों पर ही किस कर लिया और हँसते हुए गुडनाइट बोला।
वो चौंक गयी कि तुषार हँसता रहा, उसने कुछ नहीं कहा।

शीना ने चलते हुए हँसते हुए तुषार से कहा- देख लेना रात को मेरे पास ही आ जाना वरना ये तो तुम्हारी के दो टुकड़े कर देगा।
और शीना आकर रूम में सो गयी।

रात को उसके पास तुषार आ ही गया।
शीना की आँख खुल गयी।

तुषार ने उसकी नाइटी उतार दी, वो खुद भी नंगा था, दोनों चिपक गए।

चूमाचाटी से शीना की नींद पूरी उचट गयी, उसने मुस्कुरा कर उससे पूछा- क्यों राजीव से गांड मरवा आए। सो गया क्या वो ?
तुषार बोला कि आज उसका मन तुम्हारी गांड मारने का है। क्या तुम मरवाओगी ? यही

पूछने उसने मुझे भेजा है।

शीना बोली- मैं तुम्हारी हूँ, जैसा तुम कहोगे मैं वैसा करूंगी। पर देख लो, मुझे तो कोई ऐतराज़ नहीं है।

प्रिय पाठको, इस बेस्ट फ्रेंड सेक्स स्टोरी पर अपनी राय मुझे जरूर बतायें.
धन्यवाद.
enjoysunny6969@gmail.com

बेस्ट फ्रेंड सेक्स स्टोरी का अगला भाग : पुराने शौक नए साथी- 4

Other stories you may be interested in

पुराने शौक नए साथी- 4

गर्म लड़की की डबल चुदाई हुई. असल में पति ही अपनी पत्नी को अपने दोस्त से चुदवाना चाहता था. पत्नी ने भी दोस्त का बड़ा लंड देख लिया था तो वो मान गयी. कहानी के तीसरे भाग दोस्त से पत्नी […]
Full Story >>>

मेरे बॉस की बेटी की अन्तर्वासना

रिच हॉट गर्ल Xxx स्टोरी मेरे बॉस की बेटी की है. वो मुझे उनके घर की पार्टी में मिली थी. वो गजब माल थी तो मैं उसे देख रहा था. जब उसने मुझे देखा तो … दोस्तो, मेरा नाम आर्यन […]
Full Story >>>

पुराने शौक नए साथी- 2

फ्री यंग सेक्स कहानी में पढ़ें कि लेस्बियन सेक्स करने वाली लड़कियों में एक की शादी के बाद उसने कैसे अपनी सहेली को अपने पति के लंड से चुदवा दिया. कहानी के पहले भाग दो सहेलियों का आपस में लेस्बियन […]
Full Story >>>

मेरी गांड में दोस्त का लंड चल गया

यह गे सेक्स विद मेन की घटना मेरे दोस्त की है. एक शादी में उसकी गांड लंड लेने के लिए कुलबुलाने लगी. एक लंड उसे मिला भी पर वो मुंह में ही झड़ गया. उसके बाद … दोस्तो, मेरी पिछली […]
Full Story >>>

कितने लण्ड खाती है तेरी बुर

फ्री फॅमिली चुदाई कहानी में पढ़ें कि मेरे घर में, मेरी खाला, मेरे मामू के घर में, मेरी सहेली के घर में कैसे कैसे चुदाई के खेल खुलेआम चलते हैं. सब एक दूसरे से चुदती चोदते हैं. मैं मदीहा हूँ […]
Full Story >>>